चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	16-11-25	4	1-3

• मंत्रालय ने की राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की घोषणा

हकृवि जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार को चयनित

भास्कर न्यूज | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार-2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान स्कूल/ कॉलेज के अतिरिक्त श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। उन्होंने बताया विश्वविद्यालय के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया। वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक किया। कुलपति ने बताया विश्वविद्यालय द्वारा जल संरक्षण को लेकर निरंतर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, किसान गोष्ठियां, जल संरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन स्थल पर फिल्ड डेज, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह और वन महोत्सव कार्यक्रमों के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करके विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में पौधारोपण किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने बताया निदेशालय द्वारा कृषि में जल बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया हकृवि द्वारा धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 और गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं जिनसे पानी की बचत होगी। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह पुरस्कार 18 नवंबर 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिया जाएगा।

धान की सीधी बिजाई को देखते एचएयू वीसी व वैज्ञानिक

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	16-11-24	4	6-8

राष्ट्रीय जल पुरस्कार श्रेणी में एचएयू प्रथम

फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों के लिए किया जागरूक

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) को जल शक्ति मंत्रालय के छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार - 2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/कॉलेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 18 नवंबर को विज्ञान भवन (नई दिल्ली) में यह पुरस्कार प्रदान करेंगी। कुलपति प्रो बीआर कांबोज ने विश्वविद्यालय के इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति बीआर प्रो. कांबोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। विश्वविद्यालय के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया। वैज्ञानिकों की ओर से फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक किया।

कम पानी में तैयार होने वाली फसलों का निरीक्षण करते प्रो. बीआर कांबोज। स्रोत : संस्थान

इन प्रयासों से जल संरक्षण के लिए किया प्रेरित

कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय की ओर से जल संरक्षण के लिए निरंतर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। किसानों को प्रशिक्षण, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, किसान गोष्ठियां, जल संरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन स्थल पर फील्ड डेज, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह तथा वन महोत्सव कार्यक्रमों के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करके विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में पौधरोपण किया गया।

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि निदेशालय की ओर से द्वारा कृषि में जल बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। विश्वविद्यालय की ओर से धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 तथा गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं जिनसे पानी की बचत होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	16-11-25	2	7-8

जल संरक्षण के लिए किसानों को किया जा रहा निरंतर जागरूक : प्रो. काम्बोज

- चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विवि को मिलेगा पुरस्कार
- धान की कम अवधि में पकने वाली किस्में विकसित की

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को जल शक्ति मंत्रालय की ओर से छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/ कालेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु यह पुरस्कार 18 नवंबर को नई दिल्ली में विज्ञान भवन में प्रदान करेंगी। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय की ओर से अर्जित की गई इस उपलब्धि के लिए विज्ञानियों को बधाई दी है। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया। विज्ञानियों ने फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जल संरक्षण को लेकर निरंतर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, किसान गोष्ठियां,जल संरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन स्थल पर फील्ड डेज, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह तथा वन महोत्सव कार्यक्रमों के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करके विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में पौधरोपण किया गया। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि निदेशालय की ओर से कृषि में जल बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। हकृवि की ओर से धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 तथा गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं। जिनसे पानी की बचत होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	16-11-25	6	1-3

हकृवि जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित : प्रो. काम्बोज

जल शक्ति मंत्रालय ने की छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की घोषणा

हिसार, 15 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा):चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/कालेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी है। कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फ़सल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया। वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जल संरक्षण को लेकर निरंतर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, किसान गोष्ठियां,जल संरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन स्थल पर फिल्ड डेज, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह तथा वन महोत्सव कार्यक्रमों के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करके विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में पौधारोपण किया गया। अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि निदेशालय द्वारा कृषि में जल बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है।

फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक करते वैज्ञानिक।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	16-11-25	3	1-2

हकृवि जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित

हिसार, 15 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/कालेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह पुरस्कार 18 नवंबर को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिया जाएगा।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया। वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक किया। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने बताया कि हकृवि द्वारा धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 तथा गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं, जिनसे पानी की बचत होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
चिराग टाइम्स	15.11.2025	--	--

हकृवि जल संरक्षण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम पुरस्कार के लिए चयनित : प्रो. बी.आर. काम्बोज

जल शक्ति मंत्रालय ने की छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कारों की घोषणा

चिराग टाइम्स न्यूज

हिसार । चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय को जल शक्ति मंत्रालय द्वारा छठे राष्ट्रीय जल पुरस्कार -2024 में सर्वश्रेष्ठ संस्थान (स्कूल/ कालेज के अतिरिक्त) श्रेणी में प्रथम स्थान के लिए चयनित किया गया है। कुलपति प्रो बीआर काम्बोज ने विश्वविद्यालय द्वारा अर्जित की गई इस उपलब्धि के लिए वैज्ञानिकों को बधाई दी है।

कुलपति प्रो काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने खरीफ-2024 में प्रदेश भर के किसानों को धान की सीधी बिजाई करने एवं कम अवधि वाली किस्मों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। धान फसल की सीधी एवं कम अवधि वाली किस्मों की बिजाई करने से भारी मात्रा में जल की बचत हुई। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के प्रयासों से खरीफ सीजन के दौरान लगभग 1.0 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को कपास से धान में स्थानांतरित होने से बचाया गया। वैज्ञानिकों द्वारा फसल विविधीकरण और जल संरक्षण तकनीकों को अपनाने के लिए प्रदेश के किसानों को जागरूक किया। कुलपति ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा जल संरक्षण को लेकर निरंतर किसानों को जागरूक किया जा रहा है। इसी कड़ी में किसानों को प्रशिक्षण, किसान मेले, जल संरक्षण जागरूकता शिविर, किसान गोष्ठियां,जल संरक्षण तकनीकों पर प्रदर्शन स्थल पर फिल्ड डेज, विश्व पर्यावरण दिवस समारोह तथा वन महोत्सव कार्यक्रमों के माध्यम से जल की बचत करने के लिए प्रेरित किया गया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कार्यक्रम आयोजित करके विश्वविद्यालय परिसर एवं फार्मों में पौधारोपण किया गया।

अनुसंधान निदेशक डॉ राजबीर गर्ग ने बताया कि निदेशालय द्वारा कृषि में जल बचत तकनीकों को लोकप्रिय बनाने और किसानों में जागरूकता बढ़ाने का कार्य लगातार किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हकृवि द्वारा धान की कम अवधि में पकने वाली एचकेआर-49 तथा गेहूं की दो पानी व मध्यम खाद में अधिक उपज देने वाली डब्ल्यू एच 1402 किस्में विकसित की गई हैं जिनसे पानी की बचत होगी। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा यह पुरस्कार 18 नवंबर 2025 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में दिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी	15-11-25	7	7-8

संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि देश की आत्माः प्रो. काम्बोज

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज यात्रा को झंडी दिखाकर रवाना करते हुए

हिसार, 14 नवम्बर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में भारतीय संविधान के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में संविधान दिवस 26 नवंबर 2024 से आरंभ होकर वर्षभर चलने वाले ऐतिहासिक समारोह 'हमारा संविधान-हमारा स्वाभिमान' के अंतर्गत संविधान स्वाभिमान यात्रा का आयोजन किया गया। संविधान स्वाभिमान यात्रा में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने संयोजक डॉ. भगत सिंह व एन.सी.सी. संयोजक डॉ. विक्रम के नेतृत्व में भाग लिया। इस यात्रा को कुलपति प्रो. काम्बोज ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यात्रा के समापन पर कुलपति प्रो. काम्बोज ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान विश्व का सबसे विस्तृत और लोकतांत्रिक संविधान है। जिसने देश को एकता, अखंडता और समानता के सूत्र में बांधा है। संविधान केवल एक दस्तावेज नहीं बल्कि देश की आत्मा है। संविधान की 75 वर्ष की यात्रा भारतीय लोकतांत्रिक परिपक्वता का प्रतीक है।